पुलिस की पाठशाला

सच्चे मित्र की तरह मदद करती है पुलिस

- सभी छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1930 आदि की जानकारी होना जरूरी।
- अपराध की पहली दस्तक पर ही अभिभावक व पुलिस को सूचित करें।
- पुलिस मित्र की भूमिका में है, चुप्पी तोड़कर किसी भी समस्या पर सूचना दें।
- सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति, लिंक व निजी फोटो साझा करने से बचें।
- किसी मनचले द्वारा परेशान करने पर थाने की मिशन शक्ति टीम या 1090 पर शिकायत करें।

जानकारी के मंत्र से जागरुक बनें

इकौना/कटरा। अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से सोमवार को इकौना स्थित सत्या द आर्यन स्कूल में पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि एसपी राहुल भाटी व विशिष्ट अतिथि सीओ अपराध आलोक कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम में स्कूल के प्रबंधक तुषार सत्या, शिक्षिका खुशबू खुशबू मिश्रा, इकौना थाना प्रभारी परमानंद तिवारी व मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक अर्चना आदि मौजूद रहीं। (संवाद)

शंकाओं का समाधान

सवाल : कहा जाता है कि 90 प्रतिशत मामलों में पुलिस देरी से पहुंचती है। **-दिव्यांशी**

जवाब : ये गलत अवधारणा है। यूपी पुलिस के डायल 112 का रिस्पांस टाइम चार से पांच मिनट का है।

सवाल : महिलाओं के साथ अपराधों की घटनाएं क्यों कम नहीं हो रही हैं। **-अर्पिता सिंह**

जवाब : अपराध की घटनाएं कम हुई हैं, लेकिन कई पीड़ित पुलिस तक नहीं पहुंच पाते हैं। देरी से सूचना के चलते घटना बड़ी हो जाती है।

सवाल : कई स्थानों पर 18 साल से कम उम्र के बच्चे काम करते हैं, उन पर पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती है। **-खुशबू**

जवाब : बाल श्रम करवाने वालों पर कार्रवाई के लिए अलग से थाना है। अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है।